हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
बुधवार
12 अप्रैल 2023, बरेली

PAGE NO : 7 MIDDLE

मंदिरों की स्थापत्य कला हमारी उन्नत इंजीनियरिंग

बरेली। एसआरएमएस कॉलेज में शोधकर्ता प्रवीन मोहन ने प्राचीन भारत में उन्नत विज्ञान एवं इंजीनियरिंग पर गेस्ट लेक्चर दिया। उन्होंने अजंता एलोरा की गुफाओं, पुराणिक काल की लेथ मशीन, सूर्य मन्दिर कोणार्क, मंगलनाथा स्वामी मंदिर में शेर के मुंह में गेंद, गुजरात में सौ किमी से ज्यादा लम्बी सुरंगों, कर्नाटक में नदी के नीचे नक्कासी, विरुपाक्ष मंदिर हम्पी स्थित 56 संगीतमय खंभों के बारे में भी बताया, जिसको तोड़कर अंग्रेज वैज्ञानिकों ने समझने की कोशिश की, परंतु यह खंभे अंदर से खोखले थे। प्रयागराज स्थित नेशनल म्यूजियम में रखी हुई कलाकृतियां भी हमारी समृद्ध शल्य चिकित्सा को प्रमाणित करती हैं। प्रवीन ने यह भी बताया कि दुनिया में सबसे प्राचीन पिरामिड बरेली के रामनगर क्षेत्र में है न की मिस्र में। प्राचार्य डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. एलएस मौर्य एवं ट्रेनिंग, डॉ. अनुज कुमार आदि मौजूद रहे।